★ सम्पर्क ★ ★ सहयोग ★ ★ संस्कार ★ ★ सेवा ★ ★ समर्पण ★

स्वस्थ, समर्थ, संस्कारित भारत

'कार्यशाला विशेषांक' प्रथम ई संस्करण

ब्रजनीति

भारत विकास परिषद्, ब्रज प्रान्त की त्रैमासिक पत्रिका

वन्दे मातरम्

परम आदरणीय
श्री बंकिमचन्द्र चटर्जी जी
राष्ट्रगीत रचयिता

वन्दे मातरम्

सुजलां सुफलाम्, मलयज शीतलाम्
शस्य श्यामलाम् मातरम् ।। वन्दे मातरम् ।।

शुभ ज्योत्स्नां पुलकित यामिनीम्
फुल्ल कुसुमित द्रुमदल शोभिनीम्
सुहासिनीम् सुमधुर भाषणीम्

सुखदाम् वरदाम् मातरम् ।। वन्दे मातरम् ।।
कोटि–कोटि कण्ठ कल–कल निनाद कराले
कोटि–कोटि भुजैर्धृत खरकरवाले,

अबला केनो मा एतो बले
बहुबल धारिणीम् नमामि तारिणीम्
रिपुदलवारिणीम् मातरम् ।। वन्दे मातरम् ।।
तुमि विद्या, तुमि धर्म
तुमि हृदि, तुमि मर्म
त्वम् हि प्राणः शरीरे
बाहुते तुमि माँ शक्ति,
हृदये तुमि माँ भक्ति,
तोमारई प्रतिमा गड़ि मन्दिरे–मन्दिरे ।। वन्दे मातरम् ।।

त्वम् हि दुर्गा दशप्रहरणधारिणी
कमला कमलदल विहारिणी
वाणी विद्यादायिनी, नमामि त्वाम् नमामि कमलाम्

अमलां अतुलाम्, सुजलां सुफलाम् मातरम् ।। वन्दे मातरम् ।।
श्यामलाम्, सरलाम्, सुष्मिताम् भूषिताम्

धरणीम् भरणीम् मातरम् ।। वन्दे मातरम् ।।

★ सम्पर्क ★ ★ सहयोग ★ ★ संस्कार ★ ★ सेवा ★ ★ समर्पण ★

स्वस्थ, समर्थ, संस्कारित भारत

'कार्यशाला विशेषांक' प्रथम ई संस्करण

ब्रजनीति

भारत विकास परिषद्, ब्रज प्रान्त की त्रैमासिक पत्रिका

प्रान्तीय अध्यक्ष:
राहुल गर्ग
मो. 9411207782

प्रान्तीय महासचिव:
सोमदेव सारस्वत
मो. 9412485023

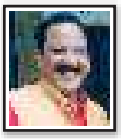

प्रान्तीय वित्त सचिव:
धर्म गोपाल मित्तल
मो. 9358621979

प्रान्तीय महिला संयोजिका:
श्रीमती गुंजन अग्रवाल
मो. 7351011555

प्रधान संपादक:
प्रशान्त मिश्रा
मो. 8006004008

प्रबंध संपादक:
गुंजन अग्रवाल
मो. 9897615587

प्रबंध संपादक:
डॉ. विचित्र पाल सिंह
मो. 9411963258

प्रबंध संपादक:
हरी ओम अरोड़ा
मो. 9837465982

शब्द संयोजन एवं मुद्रण:
पूजा प्रिन्टपैक, आगरा
मो. 9412257184

अनुक्रमणिका

1.	शुभकामना संदेश	2–5
2.	सम्पादकीय	6
3.	भारत विकास परिषद् 'एक विशिष्ट पहचान'	7
4.	प्रान्तीय अध्यक्ष की कलम से	8
5.	प्रान्तीय आख्या	9
6.	प्रान्तीय वित्त सचिव की कलम से	10
7.	परिषद् के सिद्धान्त एवं मुख्य उद्देश्य	11
8.	कार्यशाला सम्बन्धित जानकारी	12–16
9.	प्रान्तीय परिषद् बैठक चुनाव / निर्वाचन	17
10.	प्रान्तीय अधिवेशन एवं दायित्व ग्रहण समारोह	18
11.	प्रान्तीय समाचार	19–20
12.	विभिन्न शाखाओं के दायित्व ग्रहण समारोह	21–23
13.	विविध गतिविधियाँ	24

प्रान्तीय कार्यालय: 2/13 ए, सुशीला सदन, स्वदेशी बीमा नगर, आगरा
केन्द्रीय कार्यालय: भारत विकास भवन, पावर हाउस के पीछे, पीतमपुरा, दिल्ली–110034

Regd. No. S-2272/63

भारत विकास परिषद्
केन्द्रीय कार्यालय

Bharat Vikas Parishad
CENTRAL OFFICE

Gajendra Singh Sandhu
National President
9412130841

Shyam Sharma
National Secretary General
9829038190

Mahesh Baboo Gupta
National Finance Secretary
9811226601

Suresh Jain
National Organizing Secretary
9974300944

शुभकामना संदेश

भा.वि.प./ दिनांक 07.06.2023

मुझे यह हर्ष हो रहा है रहा है कि भारत विकास परिषद् ब्रज प्रान्त अपनी प्रान्तीय स्मारिका 'ब्रज नीति' का कार्यशाला विशेषांक प्रकाशन करने जा रहा है। इसके लिए आप सभी को बधाई एवं साधुवाद। स्मारिका में विगत वर्ष में परिषद् से संबंधित महत्वपूर्ण जानकारियों सहित प्रकल्पों पर आधारित सम्पन्न हुई गतिविधियों का लेखा–जोखा एवं आख्या के साथ–साथ प्रान्तीय कार्यकारिणी व शाखाओं के दायित्वधारियों का वितरण प्रकाशित किया जायेगा।

मुझे पूर्ण विश्वास है कि यह स्मारिका परिषद् सदस्यों एवं समाज के अन्य वर्गों के बीच सेतु का कार्य करेगी।

कार्यशाला के सफल आयोजन एवं स्मारिका के प्रकाशन की अग्रिम शुभकामनाएँ एवं सभी कार्यकताओं को पुनः बहुत–बहुत साधुवाद एवं बधाई।

(गजेन्द्र सिंह संधू)
राष्ट्रीय अध्यक्ष

श्री राहुल गर्ग
'रघुकुल' 69,
जैन नगर (खेड़ा)
फिरोजाबाद (उ.प्र.)

स्वस्थ समर्थ संस्कारित भारत ◆ Swasth Samarth Sanskarit Bharat

CENTRAL OFFICE : BHARAT VIKAS BHAWAN, BD BLOCK, BEHIND POWER HOUSE, PITAMPURA, DELHI-110034
TEL.: 011-27313051, 27316049 Website : www.bvpindia.com E-mail : bvp@bvpindia.com

For anything and everything regarding Bharat Vikas Parishad visit Parishad's website www.bvpindia.com

शुभकामना संदेश

अत्यंत ही हर्ष का विषय है की ब्रज प्रांत द्वारा प्रांतीय कार्यशाला ''प्रशिक्षण'' आगरा की महत्वपूर्ण शाखा नवोदय की आतिथ्य में भव्य एवं अविस्मरणीय हेतु विगत कई दिनों से तैयारियां चल रही हैं जो एक सफल आयोजन के रूप में प्रदर्शित हो रही हैं।

इस महत्वपूर्ण कार्यशाला में ब्रज प्रांत द्वारा स्मारिका ''ब्रज नीति'' का प्रकाशन होने जा रहा है जो कि भारत विकास परिषद के प्रथम सूत्र ''संपर्क'' को क्रियान्वित करने में महत्वपूर्ण भूमिका का निर्वहन करेगा।

कार्यशाला विशेषांक इस स्मारिका से शाखा एवं प्रांतीय दायित्वधारी अपने दायित्व के अनुरूप कार्य करने हेतु नि:संदेह लाभान्वित होंगे ऐसी प्रांतीय पत्रिकाएं सदस्यों के मध्य परस्पर परिचय एवं संपर्क का सशक्त माध्यम बनकर परिषद के लक्ष्यों को पूरा करने में सहायक एवं परिषद के कार्यो को उजागर करने सदस्यों का मनोबल बढ़ाने एवं प्रेरणा देने में सहायक सि) होगा।

ब्रज प्रांत की मुख्य पत्रिका का सफल एवं निरंतर प्रकाशन के लिए मैं समस्त संपादक मंडल एवं प्रांतीय टीम को अपनी शुभकामनाएं प्रेषित करता हूं।

धन्यवाद !

SKhera

एडवोकेट सुनील खेड़ा

राष्ट्रीय उपाध्यक्ष

भारत विकास परिषद्

शुभकामना संदेश

भारत विकास परिषद, राष्ट्र निर्माण में संलग्न व सतत सक्रिय संगठन है। संगठन की सक्रियता में आंतरिक एवं वाह्य सम्पर्क का विशेष महत्व होता है। परिषद् के पंच सूत्रों (सम्पर्क, सहयोग, संस्कार, सेवा व समर्पण) में भी सर्वप्रथम ' सम्पर्क' का स्थान है। परिषद के कार्यक्रमों व प्रकल्पों के श्रेष्ठ आयोजन तथा सक्रिय सांगठनिक व्यवस्था के लिए सतत व जीवन्त सम्पर्क का विशेष महत्व है। परिषद के सदस्यों व दायित्वधारियों के मध्य परस्पर सम्पर्क को जीवन्त बनाए रखने के लिए तथा शाखाओं की गतिविधियों की प्रभावी सूचनाओं के प्रसार के लिए, ब्रज प्रान्त की पत्रिका ''ब्रज नीति' उपयोगी सिद्ध होगी, ऐसा मेरा विश्वास है।

ब्रज प्रान्त की पत्रिका ''ब्रज नीति'' के सफल प्रकाशन के लिए, मैं हार्दिक शुभकामनाएं प्रेषित करता हूँ।

डॉ. तरुण शर्मा
क्षेत्रीय अध्यक्ष
भारत विकास परिषद,
उत्तर मध्य क्षेत्र–1

शुभकामना संदेश

सादर नमस्कार

मुझे प्रसन्नता हो रही है भारत विकास परिषद ब्रज प्रांत वर्ष 2023–24 के नए सत्र में कार्यशाला के अवसर पर बृज नीति त्रैमासिक पत्रिका प्रकाशित करने जा रहा है । यह परिषद् के लिए गौरव की बात है। इस सराहनीय प्रयास के लिए आप सभी को बहुत–बहुत बधाई।

इस ब्रिज नीति पत्रिका में वर्ष भर की प्रमुख सूचनाओं सहित, दायित्व धारियों की सूची एवं प्रांत की सभी शाखाओं के पदाधिकारियों का विवरण, प्रांत की अन्य सभी गतिविधियों तथा सेवा एवं संस्कार प्रकल्प की जानकारियां सम्मिलित की जाएंगी।

मुझे पूर्ण विश्वास है कि इस बृज नीति के माध्यम से भारत विकास परिषद की सभी महत्वपूर्ण गतिविधियों की जानकारी प्रबद्ध जनों तक पहुंचाने में सहायक सिद्ध होगी तथा उपयोगी जानकारियां सदस्यों तक पहुंचेगी और परिषद अपने विकास की ओर अग्रसर होगी।

वर्ष 2023–24 के सभी नए दायित्व धारियों को शुभकामनाएं तथा बृज नीति के सफलतम प्रकाशन की कामना करता हूं।

केशव दत्त गुप्ता
राष्ट्रीय चेयरमैन मीडिया एंड पब्लीसिटी

सम्पादकीय

बंधुओं

आप सभी के समक्ष ब्रजनीति के प्रथम ई संस्करण ''कार्यशाला विशेषांक'' को प्रस्तुत करते हुए अपार हर्ष की अनुभूति हो रही है। ब्रजनीति परिषद के क्रियाकलापों, उद्देश्यों एवं सेवा कार्यों को जनमानस तक पहुंचाने में महत्वपूर्ण कड़ी की भूमिका का निर्वहन करती है। पत्रिका को आदरणीय राष्ट्रीय अध्यक्ष श्री गजेंद्र सिंह संधू , क्षेत्रीय अध्यक्ष डॉ तरुण शर्मा एवं राष्ट्रीय चेयरमैन मीडिया एंड पब्लिसिटी श्री केशव दत्त गुप्ता की शुभकामनाओं का कृपा पूर्ण संबल प्राप्त हुआ है। साथ ही संपूर्ण परिषद् परिवार का भी विशेष सहयोग प्राप्त हुआ है । आप सभी के प्रति वंदन, अभिनंदन एवं कृतज्ञता व्यक्त करते हैं।

पत्रिका के निर्माण में पूर्ण सावधानी रखी गई है फिर भी कुछ मानवीय त्रुटि संभव है। पत्रिका को आप सभी तक पहुंचाने में प्रत्यक्ष अथवा परोक्ष रूप से जिन साथियों का सहयोग रहा है, उन सभी के प्रति भी कृतज्ञता ज्ञापित करते हैं। पत्रिका के माध्यम से जागरूकता फैलाने के अपने उद्देश्य में सफल होंगे, ऐसा विश्वास है....

धन्यवाद!

सम्पादक मण्डल

भारत विकास परिषद्, ब्रज प्रान्त

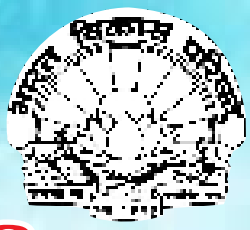

भारत विकास परिषद्
अद्वितीय संगठन

एक विशिष्ट पहचान

भारत विकास परिषद भारत की संस्कृति एवं विरासत से जुड़ी एक गैर–राजनैतिक समाजसेवी संस्था है, जिसका लक्ष्य भारत एवं भारतीय जनमानस का सर्वांगीण विकास करना है।वास्तव में परिषद से जुड़े सभी व्यक्तियों के लिए, भारत परिषद एक स्वप्न भी है और स्वप्न का आकार भी। यह एक संस्था भी है और एक आन्दोलन भी।

अपनी स्थापना के लगभग 60 वर्ष पूर्ण करके यह संगठन अपनो गौरवपूर्ण उपलब्धियों का एक इतिहास बना चुका है। इस अवधि में यह संगठन जन–मानस में राष्ट्रीय भावनाओं एवं भारतीय दर्शन की मानसिक क्रान्ति उत्पन्न करके सेवा व संस्कार के क्षेत्र में एक अद्वितीय संगठन बन गया है और इसकी अपनी एक विशिष्ठ पहचान बनी है। क्योंकि यह 'में' नहीं' हम' में आस्था रखती है यह पाश्चात्य नहीं वरन् भारतीय मूल्यों के संरक्षण एवं संवर्द्धन में विश्वास करता है, यह 'सेवा' किसी दया को भावना पर नहीं करता वरन् मानवीय कर्त्तव्यों एवं उसके माध्यम से ईश्वर पूजा के रूप में उसे देखता है।

भारत विकास परिषद सुविचारों के सुनियोजन पर आधारित एक सुव्यवस्थित संगठन है। संगठन का प्राण होता है उसका दर्शन और उसके संकल्प। संगठन के पीछे भावी योजना का एक स्वप्न होता है और उस स्वप्न को साकार करने की विधि होती है। उसके कार्यक्रमों एवं प्रकल्पों के प्रारूपों के आधार पर उस संगठन का स्वभाव, उसका धर्म और उसकी मर्यादाएँ बनती है तथा उस के आधार पर संगठन का विकास एवं विस्तार होता है। भारत विकस परिषद के प्रकल्पों की संरचना, कार्यक्रमों के आयोजन और बैठकों को व्यवस्था में एक प्रेरणात्मक, ऊर्जात्मक एवं रचनात्मक भारतीय परिवेश होता है। भारत माता इसको आराध्य देवी है स्वामी विवेकानन्द इसके आराध्य व्यक्तित्व है, वन्देमातरम् इसका आराध्य गान है और भारतीय संस्कृति, भारतीय दर्शन तथा भारतीय मूल्य इसके मूल मंत्र है।

प्रांतीय अध्यक्ष की कलम से ...

संकल्प

जीवन में आगे बढ़ने हेतु अपने अंदर एक जिज्ञासा का दीप जलाये रखना होता हैं। जब तक हम स्वयं को विधार्थी की श्रेणी में रखते हैं, उस समय तक हम ज्ञानार्जन करते रहेंगे, परन्तु यदि हम स्वयं को ज्ञान के शिखर पर मान लेते हैं, हमारे अंदर सीखने की प्रवृत्ति समाप्त हो जाती है एवं नीचे उतरने की सीढ़ी तैयार होनी प्रारम्भ हो जाती हैं। अत: हमें सदैव जिज्ञासु विधार्थी की तरह ज्ञान अर्जित करने का आकांक्षी बनें रहना होगा।

भारत विकास परिषद् एक उत्कृष्ट एवं अग्रणी समाज सेवी संगठन हैं जिसकी अपनी एक कार्यप्रणाली हैं। हम सभी परिषद् के अंग है एवं हमें जो दायित्व सौंपा जाता है उसका निर्वहन तभी संभव है जब हम उसकी वास्तविक कार्यपद्धति से परिचित होंगे। इसी के द्रष्टव्य अपने दायित्व की कार्यपद्धति के ज्ञान को अर्जित करने हेतु ही राष्ट्रीय, क्षेत्रीय एवं प्रांतीय स्तर पर कार्यशाला का आयोजन किया जाता है। जिसमें हम अनुभवी एवं वरिष्ठ दायित्वधारियों से अपने दायित्व का कुशल निर्वहन हेतु प्रशिक्षण प्राप्त करते हैं। हमें अपनी कार्यकुशलता हेतु लक्ष्य निर्धारण अवश्य करना चाहिए जैसा कि महाभारत काल में अर्जुन का लक्ष्य मछली की आंख में तीर को भेदकर द्रोपदी को स्वयंवर में जीत कर अपने उद्देश्य की प्राप्ति की। अर्थात हमें अपने किसी भी कार्य को सफल बनाने हेतु अपने लक्ष्य का निर्धारण करना पड़ेगा नि:संदेह हमें अपने उद्देश्य की प्राप्ति होगी।

अत: कार्यशाला के आयोजन का उद्देश्य भी यही है कि हमें अपने दायित्व का कुशल निर्वहन कर शाखा स्तरीय कार्यक्रमों के सेवा एवं संस्कार से ओत–प्रोत कार्यक्रमों का आयोजन कर मानव कल्याण के लिए समाज के व्यक्तियों के मध्य सम्पर्क, सहयोग, संस्कार, सेवा, समर्पण के उत्तम सेतु से राष्ट्र के उत्थान में सदैव संलग्न रहने के लिए संकल्पब) होना चाहिए। वर्तमान सत्र में प्रांत की शाखाओं को विकसित शाखा के रूप में सदस्य संख्या में विस्तार एवं सेवा और संस्कार के कार्यक्रमों के आयोजन हेतु संकल्प लिया गया है इसमें प्रांत द्वारा शत प्रतिशत सफल होने का का प्रयास किया जा रहा है।

इसके लिए मैं कृतज्ञ हूं ब्रज प्रांत के प्रांतीय महासचिव श्री सोमदेव सारस्वत जी जोकि अपने परिश्रम एवं कुशल कार्य प्रणाली से ब्रज प्रांत को उच्चोत्तर प्रगति की ओर अग्रसित कर रहे हैं एवं प्रांतीय वित्त सचिव श्री धर्म गोपाल मित्तल जो कि पूर्ण पारदर्शिता से वित्तीय व्यवस्थाओं का निर्वहन कर रहे हैं मैं अपने को अत्यंत ही धनी मानता हूं कि मुझे ऐसे ऊर्जावान साथियों का साथ प्राप्त हुआ। वर्तमान सत्र में प्रांतीय कार्यक्रमों में प्रांतीय एवं शाखा दायित्वधारियों की शत प्रतिशत उपस्थिति रहें इसके लिए टीम वर्क के साथ योजनाओं का निर्धारण करते हुए कार्य किया जा रहा है जिसके परिणामस्वरूप वर्तमान सत्र में आयोजित संस्कृति शाखा फिरोजाबाद के आतिथ्य में आयोजित प्रांतीय अधिवेशन एवं दायित्व ग्रहण समारोह ''संकल्प–2023'' में 321 सदस्यों की ऐतिहासिक उपस्थिति रही। जिसके लिए मैं आभारी हूं दोनों प्रांतीय उपाध्यक्षगण श्री मुकेश मित्तल जी एवं श्री हरीश सुनेजा जी, प्रांतीय महिला संयोजिका श्रीमती गुंजन अग्रवाल जी, प्रांतीय संगठन सचिव श्री रवि शिवहरे जी, प्रांतीय संयोजक 'सम्पर्क' श्री पुष्पेन्द्र कुमार गोयल जी एवं जिला समन्वय समितियों के जिला समन्वयक आगरा श्री अखिलेश भटनागर जी, जिला समन्वयक फिरोजाबाद श्री अमित गुप्ता जी एवं जिला सहसमन्वयक आगरा श्री राजेश गोयल जी, जिला सहसमन्वयक फिरोजाबाद श्री राजेश गोयल जी जो कि पग पग मेरे साथ रहकर प्रांत की कार्य योजनाओं में अपनी कर्मठता एवं पूर्ण निष्ठा से अपनी महत्वपूर्ण भूमिका का निर्वहन कर रहे हैं।

इस कार्यशाला विशेषांक स्मारिका को उत्कृष्ट संपादित कराने के लिए मैं ब्रज प्रांत के संपादक मण्डल के श्री प्रशांत मिश्रा जी, श्री गुंजन बंसल जी, श्री हरीओम अरोरा जी एवं डश्र. विचित्र पाल सिंह जी का भी आभार व्यक्त करता हूं जिनके द्वारा इस विशेष ई ब्रज नीति के अंक का सुंदर संवर्धन किया गया है।

मुझे और मेरी पूरी टीम को जो पूर्ण सहयोग प्रदान किया है उसके लिए मैं आप सभी का ह्रदय से आभार व्यक्त करता हूं और धन्यवाद देता हूं। आशा ही नहीं पूर्ण विश्वास करता हूं, कि आपका प्रेम और सहयोग, मुझे भविष्य में भी सदा मिलता रहेगा।

वन्देमातरम् !

राहुल गर्ग
प्रान्तीय अध्यक्ष

प्रान्तीय आख्या...

भारत विकास परिषद् ब्रज प्रान्त के सभी सदस्यों के प्रति आभार और अभिनन्दन के साथ अपनी बात रखते हुए मुझे गर्व का अनुभव हो रहा है। गत सत्र में प्रान्तीय अध्यक्ष श्री प्रमोद सिंघल जी के नेतृत्व में बनी सक्रियता और सद्भावना का एक सुखद परिणाम रहा कि श्री राहुल गर्ग जी, मुझे तथा श्री धर्म गोपाल मित्तल जी को आप सभी ने सर्वसम्मति से स्नेह प्रदान करते हुए दायित्व सौंपा है।

सत्र 2023–24 के प्रथम कार्यक्रम के रूप में प्रांतीय अधिष्ठापन एवं दायित्व ग्रहण समारोह ''संकल्प–2023'' का आयोजन संस्कृति शाखा फिरोजाबाद के आतिथ्य में अत्यंत भव्यता एवं उत्साह के साथ सम्पन्न हुआ। इस समारोह में 321 सदस्यों की प्रशंसनीय उपस्थिति रही। इस सफल आयोजन के लिए वरिष्ठजनों के मार्गदर्शन, अपनी प्रान्तीय टीम द्वारा श्रेष्ठ सम्पर्क और संस्कृति शाखा अध्यक्ष श्री सुधीर गुप्ता एवं उनके समस्त सहयोगियों की मेहनत के लिए मैं हृदय की गहराई से आभार व्यक्त करता हूं।

संगठन की ष्टि से देखें तो, विगत सत्र में ब्रज प्रांत की सदस्य संख्या 1508 थी इस वर्ष हमारा लक्ष्य 1750 है। इस लक्ष्य को हम शीघ्रता शीघ्र प्राप्त करने के प्रयास में हैं। ब्रज प्रान्त ने इस सत्र में 15 अप्रैल को 1511 सदस्यों का केंद्रीय अंशदान जमा करके, उत्तर मध्य क्षेत्र–1 में सर्वप्रथम अंशदान जमा कराने का श्रेय प्राप्त किया है। मैं अपने प्रांत की ऐसी प्रत्येक शाखा के दायित्वधारियों का हृदय से आभार प्रकट करता हूँ, जिनके द्वारा समयानुसार केंद्रीय एवं प्रांतीय अंशदान प्रान्त को दिया गया, जिसके परिणाम स्वरूप हम यह सम्मान प्राप्त कर सके।

विगत सत्र में ब्रज प्रांत में 33 शाखायें थीं। इस वर्ष हमारा लक्ष्य 40 शाखाओं का है। इस क्रम में दो शाखाएं जिसमें आगरा में ''सहयोग'' शाखा एवं फिरोजाबाद में महिला प्रधान शाखा ''अनुपम'' शाखा का गठन हो चुका है। एक– दो निष्क्रिय शाखायें शाखाओं को पुनः सक्रिय करने के प्रयास भी हैं।

ब्रज प्रांत की अधिकतर शाखाएं तन,मन,धन से सेवा कार्यों मे अग्रणी रहती हैं। इस क्रम में आगरा में निकुंज शाखा द्वारा प्रत्येक वर्ष काफी बड़े स्तर पर रक्तदान शिविर का आयोजन किया जाता है। इस वर्ष भी निकुंज शाखा द्वारा 533 यूनिट रक्त के साथ मानव सेवा का अनुकरणीय उदाहरण प्रस्तुत किया। संस्कार शाखा, आगरा एवं सृजन शाखा, आगरा द्वारा भी संयुक्त रूप से एक रक्तदान शिविर का आयोजन किया गया है। ग्रीष्म ;तु की पराकाष्ठा को ष्टिगत रखते हुए ब्रज प्रांत में अधिकतर शाखाओं द्वारा शहर के विभिन्न क्षेत्रों में जल सेवा संचालित की जा रही है। बृज प्रांत की प्रत्येक शाखा द्वारा समय–समय पर गौ सेवा कार्यक्रम किए जाते हैं। जिसमें प्रमुख रुप से ''सकंल्प शाखा'' आगरा द्वारा प्रत्येक माह गौ सेवा का वृहद कार्यक्रम आयोजित किया जाता है। संस्कार शाखा, समर्पण शाखा ,लक्ष्य शाखा द्वारा भी गौ सेवा के कार्यक्रम किए जाने की रिपोर्ट प्राप्त हुई है।

ब्रज प्रांत–फिरोजाबाद की नेत्र ज्योति सेवा शाखा द्वारा प्रत्येक माह 28 तारीख को नेत्र चिकित्सा शिविर का आयोजन, जिसमें मोतियाबिंद के निशुल्क अश्वपरेशन कराये जाते हैं, एक सराहनीय सेवा प्रकल्प है। फिरोजाबाद के ''भारत विकास परिषद सेवा न्यास'' द्वारा एक प्रकल्प के रूप में निशुल्क शव वाहन का संचालन समाज को महत्वपूर्ण सेवा दे रहा है। आगरा की अन्नपूर्णा शाखा द्वारा ''मां की रसोई'' नाम से प्रतिदिन 500 निर्धन असहाय लोगों को मात्र ₹ 5 में पेट भर भोजन कराया जाता है।

ग्रीष्मावकाश में अधिकतर शाखाओं द्वारा बाल संस्कार शिविर का आयोजन किया जा रहा है इन सभी शिविरों में दो हजार से अधिक बच्चे लाभान्वित हो रहे हैं। जिसमें प्रमुख रुप से आगरा जिला की विवेकानंद शाखा, संकल्प शाखा, सम्पर्क शाखा, उड़ान शाखा, लक्ष्य शाखा एवं फिरोजाबाद जिले की समर्पण शाखा, मुख्य शाखा एवं सरल शाखा हैं।

''एक सदस्य–एक पेड़'' सिद्धांत पर शाखाओं द्वारा वृहद वृक्षारोपण कार्यक्रम भी चलाया जा रहा है।

सम्पर्क प्रकल्प के अन्तर्गत, सत्र की प्रारंभिक तिमाही में सभी शाखाओं द्वारा सदस्यता वृद्धि हेतु सक्रिय प्रयास जारी हैं। आगामी संस्कार प्रकल्पों के कार्यक्रमों के लिए भी शाखाओं में उत्साह दिखाई देता है।

अंत में मैं कहना चाहता हूँ कि ब्रज प्रान्त में रहने वाले सभी राष्ट्रीय, क्षेत्रीय व अन्य वरिष्ठजनों के मार्गदर्शन में अपनी प्रान्तीय टीम के सतत प्रयास और शाखाओं की सक्रियता से हम इस सत्र में श्रेष्ठ कीर्तिमान स्थापित कर पाएंगे, ऐसा मुझे विश्वास है।

सोमदेव सारस्वत
प्रान्तीय महासचिव

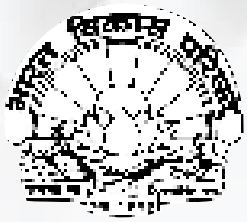

प्रान्तीय वित्त सचिव द्वारा

AOP बनाने की क्रिया विधि एवं बैंक खाता खोलने सम्बन्धित जानकारी......

अत्यंत ही हर्ष का विषय है कि ब्रज प्रांत के ऊर्जावान अध्यक्ष श्रीमान राहुल गर्ग जी के नेतृत्व में आयोजित प्रांतीय कार्यशाला ''प्रशिक्षण''का भव्य एवं अविस्मरणीय आयोजन आगरा की महत्वपूर्ण शाखा ''नवोदय ''के आतिथ्य में आयोजित किया जा रहा है।

शाखा कोषाध्यक्ष के दायित्व एवं कर्तव्य

1. वर्ष के प्रारंभ में शाखा अध्यक्ष, सचिव के साथ बैठकर शाखा का बजट तैयार करना और उसे शाखा कार्यकारिणी से अनुमोदित करना।
2. सदस्यों से निर्धारित सदस्यता शुल्क प्राप्त करना और उसे पावती रसीद प्रेषित करना
3. यथाशीघ्र केंद्रीय कार्यालय द्वारा नियत तिथि तक शाखा का प्रांतीय एवं केंद्रीय अंशदान ₹ 500 प्रति सदस्य एवं शाखा संबद्धता राशि 150 प्रति के साथ प्रांत को प्रेषित करना।
4. शाखा स्तर पर AOP का गठन करना और शाखा का पेन कार्ड बनवा कर राष्ट्रीयकृत बैंक में शाखा का खाता खोलना।

AOP बनाने की क्रिया विधि

मॉडल डीड का प्रारूप परिषद की आधिकारिक वेबसाइट www.bvpindia.com के रिसोर्स tab में जाकर Rules & regulation-Aop bylaws for affiliated member (Schedule-1) में उपलब्ध है ।इस फॉर्मेट को डाउनलोड करके फिल इन द ब्लैंक्स भर के जैसे डीड बनाने की तिथि ,शाखा का नाम, भौगोलिक कार्यक्षेत्र, शाखा कार्यालय का पता और अंतिम पेज पर शाखा अध्यक्ष सचिव एवं वित्त सचिव एवं शाखा संरक्षक, कार्यकारिणी सदस्य का नाम, पता रु 100 के नॉन जुडिशल स्टांप पेपर पर प्रिंट करा कर एवं हस्ताक्षर करा कर एवं डीड के प्रत्येक पेज पर हस्ताक्षर करा कर तैयार करें।

पैन कार्ड बनवाने की विधि

AOP डीड की फोटोकॉपी कराकर उसे हस्ताक्षर कराकर सत्यापित करें और फॉर्म नंबर 49। (इनकम टैक्स) भर कर उसके साथ शाखा के कार्यालय पते का साथ फॉर्म साइन करने वाले का पेनकार्ड की कॉपी एवं निर्धारित फीस ₹110 के साथ NSDL/UTI सेंटर पर जमा करा दें। 15 दिन के अंदर शाखा का पेन कार्ड बनकर डाक द्वारा कार्यालय पते पर आ जाएगा ।

बैंक खाता खोलने की विधि

बैंक का अकाउंट ओपनिंग फॉर्म भरे। साथ में AOP डीड की सत्यापित फोटो कॉपी, अध्यक्ष सचिव, वित्त सचिव के पैन कार्ड एवं आधार कार्ड, फोटो के साथ संलग्न करें। शाखा के लेटर पैड पर बैंक खाता संचालन हेतु प्रस्ताव तैयार कर उसकी एक प्रति साथ में संलग्न करें। प्रस्ताव में खाते का संचालन एवं धन का आहरण संयुक्त हस्ताक्षर (शाखा कोषाध्यक्ष अनिवार्य) द्वारा करने का आशय करें।

5. शाखा के बैंक खाते का संचालन एवं धन का आहरण संयुक्त हस्ताक्षर (शाखा कोषाध्यक्ष अनिवार्य) द्वारा करना ।
6. शाखा की समस्त प्रकार शाखा कोषाध्यक्ष की प्राप्ति एवं भुगतान अधिकांशत बैंक खाते के माध्यम से करना 10000 या उससे अधिक का भुगतान बैंक के माध्यम से ही करना क्योंकि नगद भुगतान नियम नियमानुसार वर्जित है।
7.शाखा के खाते जैसे कैश बुक, लेजर बिल्स एवं वाउचर मेंटेन करना तथा त्रैमासिक स्तर पर आय–व्यय का ब्यौरा कार्यकारिणी में प्रस्तुत करना एवं अनुमोदित करना ।
8. वर्ष उपरांत शाखा की रिसिप्ट, पेमेंट अकाउंट ,इनकम एवं एक्सपेंडिचर अकाउंट ,बैलेंस शीट तैयार करना और अश्वडिट कराकर बिटको रिपोर्ट और बैंक स्टेटमेंट के साथ प्रांत और केंद्र में 30 जून तक प्रेषित करना।
9. शाखा का यदि कोई अपना स्थाई प्रकल्प की रजिस्टर्ड ट्रस्ट या सोसाइटी है तो उसे केंद्रीय कार्यालय में संबंध कराना। उसकी रिसिप्ट, पेमेंट अकाउंट, इनकम एवं एक्सपेंडिचर अकाउंट, बैलेंस सीट तैयार करना और ऑडिट करा कर 30 जून तक केंद्रीय कार्यालय को प्रेषित करना।
10. प्रांतीय एवं रीजनल स्तर पर आयोजित मीटिंग्स, कार्यशाला में प्रतिभाग करना।

ब्रज प्रांत की प्रमुख मुख्य पत्रिका ''ब्रज नीति''के सफल एवं निरंतर प्रकाशन के लिए जो विगत दो दशकों से ब्रज प्रांत की गतिविधियों का दर्पण बन चुकी है। मैं समस्त संपादक मंडल एवं प्रांतीय टीम को अपनी शुभकामनाएं प्रेषित करता हूं।

धन्यवाद !

धर्मगोपाल मित्तल
प्रांतीय वित्त सचिव ''ब्रज प्रांत''

परिषद् के सिद्धान्त

- वसुधैव कुटुम्बकम्
- सादा जीवन उच्च विचार
- सर्व पन्थ सम्भाव
- राष्ट्रहित सर्वोपरि
- नर सेवा नारायण सेवा कृ
- निःस्वार्थ सेवा ही सच्ची सेवा है
- राष्ट्र देवो भव
- कृणवन्तो विश्वमार्यम्
- सत्यम् शिवम् सुन्दरम्
- व्यक्ति निर्माण, राष्ट्र निर्माण
- अहिंसा परमो धर्मः
- एक दीप से जले दूसरा
- पाश्चात्यकरण आधुनिकीकरण नहीं है
- सेवा उत्तरदायित्व है, उपकार नहीं
- भारतीय संस्कृति सर्वश्रेष्ठ है
- स्वस्थ, समर्थ, संस्कारित भारत

परिषद् के मुख्य उद्देश्य

1. मानव उद्यम के समस्त क्षेत्रों में अपने देश भारत के विकास और संबर्द्धन हेतु प्रयास करना
2. अपने देश की संस्कृति, सामाजिक, शैक्षिक, नैतिक और आध्यात्मिक प्रगति के उपाय करना।
3. अपने देशवासियों में देशभक्ति की गहरी तथा व्यापक भावना भरना।
4. भारतीय मूल्यों के आधार पर राष्ट्र निर्माण करना एवं नैतिक मूल्यों को सुदृढ़ करना।
5. भारतीय परम्पराओं एवं संस्कृति के अनुरूप भारतीय जन–जीवन का उत्कर्ष ।
6. बिना पाश्चात्य मूल्यों को अपनाये भारत का सर्वांगीण विकास एवं आधुनिकीकरण ।
7. भारत की स्वाधीनता, सम्प्रभुता, अखंडता और एकता सुरक्षित करना।
8. समाज के तथाकथित उच्च वर्ग को समाजोन्मुख करना ।
9. राष्ट्र के भावी कर्णधारों का चरित्र निर्माण करना।
10. सामाजिक कुरीतियों के उन्मूलन हेतु उपाय करना।

सभा / कार्यक्रम के लिये आदर्श रूपरेखा

1. मंच आमंत्रण (परिचय सहित)
2. भारत माता के चित्र पर माल्यार्पण
3. दीप प्रज्जलन
4. वन्देमातरम् गायन
5. पंचासीन व्यक्तियों का स्वागत (तिलक लगाकर)
6. परिषद् परिचय (आवश्यकतानुसार)
7. मुख्य कार्य (जिस हेतु कार्यक्रम आयोजित किया गया है)
8. आमंत्रित अतिथियों द्वारा मार्गदर्शन / आशीर्वचन
9. अध्यक्षीय सम्बोधन
10. धन्यवाद ज्ञापन
11. राष्ट्रगान गायन

नोटः

मंच पर आमंत्रण कनिष्ठ से वरिष्ठ के क्रम में होना चाहिये। मंच पर नाम पट्टिकायें लगी हो। वरिष्ठ दायित्वधारियों का स्थान सुरक्षित रहना चाहिये और उन्हें किनारे पर नहीं बैठाना चाहिये। कृ

- अतिथियों का स्वागत वरिष्ठ से कनिष्ठ के क्रम में करना चाहिये। स्वागत में नये सदस्यों का भी योगदान चाहिये।
- वक्ताओं को बोलने हेतु कनिष्ठ से वरिष्ठ के क्रम में आमंत्रित करना चाहिये।
- संचालन में अनुभवी सदस्य के साथ नये सदस्य को भी अवसर देना चाहिये। कृ
- मंच पर अन्य कार्यों हेतु दो या तीन सदस्यों की समिति बनानी चाहिये जिनका कार्य केवल मंच पर सहायता करना हो।
- मंच पर अनावश्यक रूप से सदस्यों का आवागमन न हो।

केन्द्रीय / प्रान्तीय दायित्वधारियों को निमंत्रण एवं प्रोटोकॉल

- एक कार्यक्रम में अधिकतम दो पदाधिकारियों को ही आमंत्रित करें।
- पदाधिकारियों से स्वी ति लें। निमंत्रण पत्र / एजेन्डा में उनके नाम छपवायें।
- उन्हें मंच पर समुचित स्थान दें, किनारे न बैठायें।
- उन्हें बोलने का समुचित समय दें। उन्हें मात्र दर्शक या श्रोता न मानें, उनके लिये दो शब्द या संक्षेप में बोलने जैसे शब्दों का प्रयोग न करें।
- कार्यक्रम में उपस्थित अन्य केन्द्रीय प्रान्तीय पदाधिकारियों को अग्रिम पंक्ति में बैठायें और उनका तिलक लगाकर स्वागत करें।
- यदि किसी पदाधिकारी के साथ उनकी धर्मपत्नी भी आई हो तो उन्हें अग्रिम पंक्ति में बैठायें एवं उचित सम्मान दें।
- अन्य शाखाओं के पदाधिकारियों, अन्य गणमान्य व्यक्तियों को उचित सम्मान दें।
- अतिथियों के भोजन जलपान की उचित व्यवस्था करें।
- कार्यक्रम उपरान्त उन्हें ससम्मान विदा करें। बाद में उन्हें धन्यवाद पत्र भेजें।

जितना बड़ा संघर्ष होगा जीत उतनी ही बड़ी होगी।

– स्वामी विवेकानन्द

शाखा पदाधिकारियों के दायित्व

अध्यक्ष

1. अध्यक्ष शाखा का सर्वोच्च व्यक्ति होता है और उसके द्वारा प्रत्येक बैठक की अध्यक्षता की जाती है।

2. अध्यक्ष का एक गरिमापूर्ण पद होता है। अपने आचरण एवं व्यवहार से नक्त पद की गरिमा बनाये रखना अध्यक्ष का प्रथम कर्तव्य है।

3. अध्यक्ष शाखा में मार्गदर्शक एवं समन्वयक की भूमिका का भी निर्वाह करता है।

4. अध्यक्ष का उत्तरदायित्व है कि यह शाखा के अन्य पदाधिकारियों से परिषद की गोलियों एवं सिद्धान्तों के अनुरुप कार्य करवायें एवं केन्द्रीय / प्रान्तीय निर्देश के अनुपालन में सहयोग प्रदान करें।

5. अध्यक्ष शाखा में प्रत्येक आयोजन के लिये प्रकल्प प्रभारियों का मार्गदर्शन करते हुए उनका उत्साहवर्धन करेंगे और शाखा सदस्यों को सक्रिय बनाये रखने में अपना योगदान देंगे।

उपाध्यक्ष

1. उपाध्यक्ष का यह कर्तव्य है कि अध्यक्ष की अनुपस्थिति में अध्यक्ष के समस्त दायित्वों का निर्वहन करें एवं बैठकों की अध्यक्षता कर उचित निर्णय लें।

2. उपाध्यक्ष शाखा सदस्यों में सामजस्य बनाने में सहयोग प्रदान करें। कार्यक्रम के आयोजन से रूपरेखा बनाने में प्रभारियों को अपना महत्वपूर्ण योगदान दें।

3. समाज के प्रबुद्ध वर्ग को शाखा से जोड़कर नये सदस्य बनवाने का प्रयास करें।

4. अध्यक्ष अथवा कार्यकारिणी द्वारा सौंपे गये कार्य को सम्पादित करायें।

5. किसी महत्वपूर्ण प्रकल्प की अध्यक्ष करें।

सचिव

1. शाखा की समस्त कार्यविधियों का केन्द्र बिन्दु सचिव होता है शाखा की वर्ष भर की गतिविधियों के संचालन का भार सचिव पर होता है जिसमें अध्यक्ष, कोषाध्यक्ष व कार्यकारिणी सदस्यों, प्रकल्प प्रभारियों का सहयोग प्राप्त होता है।

2. सचिव का कर्तव्य है कि वह प्रत्येक सभा / कार्यक्रम की सूचना तथा समय शाखा सदस्यों को प्रेषित करें।

3. सचिव प्रत्येक सभा का संचालन करेगें और उसकी प्रत्येक कार्यवाही की कार्यवाही रजिस्टर में अंकित करेंगे।

4. सचिव केन्द्र व प्रान्त से प्राप्त सभी परिपत्रों को सभा पटल पर रखेंगे और उनका अनुपालन सुनिश्चित करेंगे।

5. सचिव केन्द्र व प्रान्त द्वारा आयोजित कार्यक्रम की सूचना प्रत्येक सदस्य को प्रेषित करेंगे और उन्हें कार्यक्रम में भागीदारी हेतु प्रेषित भी करेंगे।

6. सचिव सभी उपसमितियों के पदेन सदस्य होंगे।

7. सचिव त्रैमासिक आख्या अध्यक्ष व प्रानतीय महासचिव को प्रेषित करेंगे व प्रत्येक राष्ट्रीय प्रकल्प के कार्यक्रम की सूचना संबन्धित प्रान्तीय संकल्प प्रभारी को भी प्रेषित करेंगे।

8. सचिव केन्द्र / प्रान्त द्वारा मांगी गई सूचनाओं को था समय उपलब्ध करायेंगे।

9. परिषद् की समस्त सामग्री को अपने नियंत्रण में रखेंगे।

10. शाखा सदस्यों से सम्पर्क हेतु पांच या छः कार्यकारिणी सदस्यों की समिति बनायें जो प्रत्येक बैठक कार्यक्रम से पूर्व सदस्यों को टेलीफीन से सूचना प्रेषित करें।

11. प्रत्येक कार्यक्रम के लिये तीन चार सदस्यों की टीम बनायें व मुख्य व्यक्ति को कार्यक्रम प्रभारी / संयोजक मनोनीत करें।

12. प्रत्येक कार्यक्रम से पूर्व सम्बंधित समिति के साथ बैठक कर व्यवस्था पर विस्तृत विचार विमर्श करें। अनावश्यक टिप्पणियों से अपने को अलग रखें।

13. सचिव शाखा की ओर से समस्त पत्र व्यवहार करेंगे।

14. सचिव पूर्ण निष्ठा, तन्मयता एवं तत्परता से परिषद् के समस्त कार्य सम्पादित करायेंगे।

संयुक्त सचिव / उपसचिव

1. सचिव के प्रत्येक कार्य पूर्ण सक्रिय सहयोग करना।

2. सचिव की अनुपस्थिति में बैठक का संचालन करना एवं कार्यवाही अंकित करना।

3. सचिव अथवा कार्यकारिणी द्वारा सौपें गये कार्य करना।

कोषाध्यक्ष

1. कोषाध्यक्ष का पद पूर्ण निष्ठा एवं जिम्मेदारी का होता है। कोषाध्यक्ष को अपने पद की छवि के अनुरूप हो अपने हिसाब को साफ और स्वच्छ रखना चाहिये।

2. कोषाध्यक्ष आय–व्यय के लेखे बनायेंगे।

3. अध्यक्ष/सचिव द्वारा पारित व्यय पत्रों का भुगतान करेंगे।

4. वे बैंक पासबुक, चैक बुक, मोहर, खाते और व्यय पत्रकों की फाइल अपने नियंत्रण में सुरक्षा पूर्वक रखेंगे।

5. वे आय–व्यय लेखों का ऑडिट करायेंगे।

6. वर्ष के अन्त में आय–व्यय का विवरण सामान्य सभा में प्रस्तुत करेंगे।

प्रकल्प प्रभारियों के दायित्व

1 राष्ट्रीय प्रकल्प परिषद के लोकोपयोगी एवं रचनात्मक कार्य है, इन प्रकल्पों के माध्यम से परिषद समाज से जुड़ता है। इन प्रकल्पों के सफल आयोजन का दायित्व प्रकल्प प्रभारियों पर होता है।

2. प्रकल्प प्रभारी अपने प्रकल्प की पूर्ण रूपरेखा तैयार करेंगे।

3. शाखा सचिव के सहयोग से 2–3 सदस्यों बनायें।

4 प्रकल्पों की विस्तृत जानकारी के लिये प्रान्तीय प्रकल्प प्रभारी से सम्पर्क करें।

5. सम्बंधित प्रान्तीय प्रकल्प प्रभारी को अपने कार्यक्रम ससम्मान आमंत्रित करें।

6. अपने कार्यक्रम की रिपोर्ट समाचार पत्र की कटिंग के साथ प्रान्तीय प्रकल्प प्रभारी को व प्रान्तीय अध्यक्ष एवं प्रान्तीय महासचिव को भेजें।

7. प्रान्तीय व राष्ट्रीय स्तर के आयोजन में शाखा की टीम के साथ जाकर टीम की प्रतिभागिता सुनिश्चित करायें व उत्कृष्ठ प्रस्तुतीकरण हेतु प्रोत्साहित करें।

शाखा अध्यक्ष, सचिव व कोषाध्यक्ष तीनों के संयुक्त दायित्व

1. केन्द्रीय एवं प्रान्तीय अंशदान व अन्य शुल्कों को यथा समय भुगतान करना।

2. वर्ष का प्रथम सभा में वार्षिक बजट बनाकर प्रस्तुत करना, उसके अनुमोदित और उसकी एक प्रति प्रान्त को भेजना।

3. वर्ष के अन्त में आय–पय का विवरण तैयार करके सदस्यों को वितरित करना, पारित कराए प्रतिप्रान्त को भेजना।

4. सदस्यों से अंशदान संग्रह करना और उसकी रसीद देना।

5. एक बैंखना जो अध्यक्ष सचिव में से एक तथा कोषध्यक्ष के अनिवार्य हस्ताक्षर से संचालित होगा और यथा सम्भव समस्त लेन–देन बैंक के माध्यम से करना।

6. केन्द्रीय एवं प्रान्तीय कार्यक्रमों सभाओं में अपनी को सहभागिता सुनिश्चित करना।

7. यदि वर्ष भर की प्राप्तियों से अधिक धन व्यय किया जात हैतो उसके वहन करने का दायित्व भी इन तीनों का होगा। किसी भी वर्ष का घाटा किसी भी स्थिति में अगले वर्ष अग्रसारित नहीं किया जायेगा

तुम्हे अन्दर से बाहर की तरफ विकसित होना है।
कोई तुम्हे पढ़ा नहीं सकता, कोई तुम्हे आध्यात्मिक नहीं बना सकता। तुम्हारी आत्मा के आलावा कोई और गुरु नहीं है।
– स्वामी विवेकानंद

बही खातों का रख–रखाव

शाखा के आय–व्यय विवरण को रखन / बनाने का दायित्व कोषाध्यक्ष का है। यहीं खातों में पारदर्शिता लाने के लिए शाखा सचिव को यह कार्य स्वयं नहीं करना चाहिए। शाखा अध्यक्ष को ध्यान रखना चाहिए कि यही खातों का रख–रखाव विधिवत् हो। इसमें आवश्यक निम्नवत् है:

1. शाखा का एक बैंक खाता होना चाहिए, जो अध्यक्ष और सचिव में से कोई एक तथा कोषाध्यक्ष के अनिवार्य रूप से, इस प्रकार दो दायित्वधारियों के संयुक्त हस्ताक्षरों से संचालित हो।

2. सदस्यों से प्राप्त समस्त धनराशि बैंक खाते में जमा की जानी चाहिए।

3. कोई भी धनराशि चितारोद के प्राप्त नहीं की जानी चाहिए। सचिव आवश्यकतानुसार व्यय पत्रक/ बाउचर देकर कोषाध्यक्ष से भुगतान प्राप्त करें।

5. प्रत्येक वाउचर अध्यक्ष/सचिव द्वारा पारित होना चाहिए।

6. सदस्यों में जी धनराशि जिस मद में प्राप्त की जाये, उसका व्यय उसी मद में करें।

7. समस्त पूर्व पारित बजट के अनुसार करने चाहिए।

8. वर्ष के अन्त में आय–व्यय विवरण तैयार करके उसका वितरण सभी सदस्यों को करें और उक्त विवरण को ऑडिट करायें
बैठक में पारित कराएं।

9. निम्नलिखित बही खाते बनाए जाने चाहिए

(क) रोकड़ बही (ख) रोकड़ खाता

(ग) रसीद बही (घ) व्यय पत्रावली

(ङ) बैंक खातों से सम्बंधित पास बुक, चैक बुक व मोहर

प्रान्तीय कार्यक्रम का आतिथ्य

प्रान्त के प्रत्येक कार्यक्रम एवं सभाओं का आतिथ्य किसी न किसी शाखा द्वारा किया जाता है। सामान्यत: प्रान्त स्वयं/सीधे को कार्यक्रम आयोजित नहीं करता। प्रान्त और आतिथ्य शाखा में उचित सामंजस्य बनाने और कार्यक्रम की सफलता हेतु निम्नलिखित सुझाव है:

1. कार्यक्रम की तिथि एवं स्थान प्रान्त की सलाह से पूर्व निश्चित का लेना चाहिए।

2. आतिथ्य शाखा द्वारा एक अनौपचारिक पत्र सभी शाखाओं को भेजा जाना चाहिए।

3. आतिथ्य शाखा द्वारा अपने स्तर से कोई नया विशिष्ट अतिथि नहीं बनाया जाना चाहिए। यह कार्य प्रान्तीय महासचिव की किया जाना चाहिए।

4. कार्यक्रम को सम्पूर्ण व्यय सामान्यत: तिष्य शाखा द्वतीय कार्यक्रमों के लिए प्रान्त द्वारा सहयोग राशि श्री प्रदान की जाती है। इस सम्बन्ध में पूरी स्थिति पहले ही स्पष्ट कर लेनी चाहिए।

5. मंच पर बैठने वाले दायित्यारियों का निर्धारण प्रान्तीय अध्यक्ष महासचिव द्वारा किया जाएगा। अतिष्य शाखा के अध्यक्ष एवं सचिव मंच पर बैठेंगे।

6. कार्यक्रम का संचालन महासचिव द्वारा किया जाएगा। संचालन आतिथ्य शाखा सचिव द्वारा किया जाएगा।

7. प्रान्तीय कार्यक्रम में आतिथ्य शाखा द्वारा कोई अपना कार्यक्रम प्रान्तीय महासचिव को पूर्व सहमति के बिना नहीं जोड़ा जाना चाहिए।

8. भोजन व्यवस्थित एवं सादा होना चाहिए और इस पर बहुत अधिक धनराशि व्यय नहीं करनी चाहिए।

शाखा संचालन हेतु महत्वपूर्ण दिशा–निर्देश

1. शाखा अध्यक्ष, सचिव व कोषाध्यक्ष का चुनाव प्रति वर्ष उपरान्त सामान्य सभा द्वारा किया जाता है। तदोपरान्त वे प्रकरण प्रभारियों व कार्यकारिणी के अन्य सदस्यों का मनोनयन करते हैं।

2. शाखा में सदस्यों की न्यूनतम संख्या 40 होना आवश्यक है। संख्या नियंत्रण को सामर्थ्य एवं क्षमता पर निर्भर है।

3. शाखा कार्यकारिणी में कुल सदस्यों के एक चौथाई का प्रतिनिधित्व होना चाहिये। न्यूनतम संख्या 10 व अधिकतम 25 हो सकती है।

4. सभी पदाधिकारियों एवं सदस्यों को लेपिल पिन लगाकर आना चाहिये।

5. कार्यक्रम में भव्यता के साथ साथ मितव्ययिता पर भी ध्यान देना चाहिये फोटो प्रचार एवं प्रसार की आवश्यकतानुसार ही खिंचवायें।

6. परिषद् की समस्त स्टेशनरी, निमंत्रण पत्रों, प्रचार सामग्री एवं चौनरों आदि पर परिषद का प्रतीक चिन्ह अवश्य होना चाहिये।

7. निवर्तमान पदाधिकारियों द्वारा नवनिर्वाचित पदाधिकारियों को पहली अप्रैल तक कार्यभार सौंप देना चाहिए चाहे दायित्व ग्रहण समारोह बाद में हो। कार्यभार सौंपते समय परिषद को सभी सामग्री, बही खाते, आदि सौंपने अनिवार्य है।

8. अपने पूर्व सक्रिय अध्यक्षों को अपनी कार्यकारिणी में सादर आमंत्रित करें जिससे उनके अनुभवों का लाभ मिल सके।

9. परिषद् में प्रत्येक कार्यक्रम को समय से शुरू करना चाहिये। कार्यक्रम को अनावश्य रूप से लम्बा न खींचकर समय सीमा में ही समाप्त करना चाहिये।

10. शाखा में निम्न अभिलेखों का रखना अनिवार्य है– रजिस्टर कार्यवाही रजिस्टर, उपस्थिति रजिस्टर, सदस्यता रजिस्टर। फाइल्स सदस्यता फार्म, केन्द्रीय प्रान्तीय पत्र व्यवहार, एजेण्डा, प्रेस रिपोर्ट, व्यय पत्रक, वाउचर। अन्य पैड, लिफाफे, मोहर।

11. प्रतिवर्ष 20 प्रतिशत सदस्य बनायें सदस्य बनाने पूर्व परिषद के उद्देश्यों, नीतियों आदि के बारे में उन्हें बतायें और उनका सदस्यता शुल्क लें व फार्म भरवायें।

12. नये सदस्यों के अनुमोदन हेतु पूर्वअध्यक्ष अनुभवी सदस्यों को एक समिति बनायें और नये सदस्यों के बारे में कार्यकारिणी की बैठक में विचार के उन उनके नाम के प्रस्ताव का अनुमोदन समिति में करायें।

13. किसी राजनैतिक दल के पदाधिकारी को शाखा अध्यक्ष, सचिव, कोषाध्यक्ष न बनायें।

14. प्रत्येक कार्यक्रम के आयोजन के लिये विभिन्न कार्य सम्पादन हेतु समिति बनायें। जिसमें प्रमुख व्यक्ति को संयोजक व अन्य को सह संयोजक मनोनीत करें।

15. शाखा की वार्षिक रिपोर्ट एवं सदस्यों का विवरण छपवाकर गणमान्य व्यक्तियों को भेजें।

16. कार्यक्रमों का व्यापक प्रचार–प्रसार करें। प्रत्येक कार्यक्रम से पहले और बाद में प्रेस विज्ञप्तियाँ जारी करें।

17. प्रत्येक कार्यक्रम से पूर्व अधिकांश सदस्यों को फोन द्वारा कार्यक्रम में उपस्थित होने के लिये प्रेरित करें।

18. कार्यक्रम को सुसंस्कारित मनोरंजकपूर्ण आकर्षक, रोचक एवं उपयोगी बनायें जिससे सदस्य परिवारों की परिषद के कार्यक्रमों में अभिरूचि बढ़े।

19. कार्यक्रमों में महिलाओं की सक्रिय भूमिका सुनिश्चित करने हेतु उन्हे विभिन्न व्यवस्थाओं में सम्मिलित करें। यथा सम्भव उन्हे कार्यक्रमों में संयोजन का भी अवसर दें।

उठो... जागो ...
और तब तक मत रुको!
जब तक लक्ष्य
की प्राप्ति न हो!!
– स्वामी विवेकानंद

प्रांतीय परिषद् बैठक चुनाव/निर्वाचन सत्र 2023–24
रविवार, 19 फरवरी 2023 आतिथ्य– अन्नपूर्णा शाखा, आगरा

प्रांतीय अधिवेशन एवं दायित्व ग्रहण समारोह ''संकल्प–2023''
गुरुवार, 13 अप्रेल,2023 आतिथ्य– संस्कृति शाखा, फिरोजाबाद

प्रान्तीय समाचार

प्रान्तीय मुख्य कार्यकारिणी सभा

भारत विकास परिषद् ब्रज प्रांत की प्रथम कार्यकारिणी सभा का आयोजन दिनांक 03 अप्रैल 2023 दिन मंगलवार को होटल मून में प्रांतीय अध्यक्ष श्री राहुल गर्ग की अध्यक्षता में आयोजित की गई।

सभा में प्रांत की कार्यकारिणी के आठों प्रमुख दायित्वधारियों के मध्य सत्र 2022–23 के वार्षिक कार्यक्रम, शाखाओं द्वारा केन्द्रीय एवं प्रांतीय अंशदान समय पर प्रेषित, संस्कार, सेवा, सम्पर्क एवं महिला बाल विकास प्रकल्प के अन्तर्गत कार्यक्रमों पर गहन परिचर्चा की गई सभी दायित्वधारियों ने अपने विचारों से अवगत कराया जिसके उपरांत सभी दायित्वधारियों की सहमति पर सत्र के सफल कार्यक्रमों के आयोजन हेतु वार्षिक कैलेण्डर को भी तैयार किया गया।

सभा में प्रांतीय अध्यक्ष श्री राहुल गर्ग द्वारा सत्र 2023–24 हेतु ब्रज प्रांत के आठों प्रमुख दायित्वधारियों को पालक अधिकारी के रूप में शाखाओं का आवंटन इस प्रकार किया गया–

A- श्री राहुल गर्ग
(प्रांतीय अध्यक्ष)
1. सिरसागंज शाखा, फिरोजाबाद
2. शिकोहाबाद शाखा, फिरोजाबाद
3. मयन शाखा, मैनपुरी
4. प्रज्ञा शाखा, फिरोजाबाद
5. वृंदावन शाखा, मथुरा
6. अनुपम शाखा, फिरोजाबाद

B. श्री सोमदेव सारस्वत
(प्रांतीय महासचिव)
1. विक्रमादित्य शाखा, आगरा
2. सम्पर्क शाखा, आगरा
3. नवोदय शाखा, आगरा
4. लक्ष्य शाखा, आगरा
5. सहयोग शाखा, आगरा

C- श्री धर्म गोपाल मित्तल
(प्रांतीय वित्त सचिव)
1. संस्कार शाखा, आगरा
2. विवेकानंद शाखा, आगरा
3. निकुंज शाखा, आगरा
4. अभिनंदन शाखा, आगरा

D- श्री मुकेश मित्तल
(प्रांतीय उपाध्यक्ष 'सेवा')
1. समर्पित शाखा, आगरा
2. संस्कृति शाखा, आगरा
3. संयम शाखा, आगरा
4. एकलव्य शाखा, आगरा

E- श्री हरीश सुनेजा
(प्रांतीय उपाध्यक्ष 'संस्कार')
1. समर्पण शाखा, फिरोजाबाद
2. प्रधान शाखा, फिरोजाबाद
3. नेत्र ज्योति सेवा शाखा, फिरोजाबाद
4. अरूणोदय शाखा, फिरोजाबाद

F- श्रीमती गुंजन अग्रवाल
(प्रांतीय महिला संयोजिका)
1. समर्पण शाखा, आगरा
2. सुरभि शाखा, आगरा
3. विवेक शाखा, आगरा
4. सृजन शाखा, आगरा

G- श्री रवि शिवहरे
(प्रांतीय संगठन सचिव)
1. संकल्प शाखा, आगरा
2. सर्वोदय शाखा, आगरा
3. अन्नपूर्णा शाखा आगरा
4. उड़ान शाखा, आगरा

H- श्री पुष्पेन्द्र कुमार गोयल
(प्रांतीय संयोजक 'सम्पर्क')
1. मुख्य शाखा, फिरोजाबाद
2. संस्कृति शाखा, फिरोजाबाद
3. उत्कर्ष शाखा, फिरोजाबाद
4. सरल शाखा, फिरोजाबाद

सभा में प्रांतीय अधिवेशन एवं दायित्व ग्रहण समारोह को सफल एवं भव्य बनाने हेतु भी विचार विमर्श किया गया। सभा का कुशल संचालन प्रांतीय महासचिव श्री सोमदेव सारस्वत द्वारा किया गया एवं आभार ज्ञापन प्रांतीय वित्त सचिव श्री धर्म गोपाल मित्तल द्वारा दिया गया।

प्रांतीय अधिवेशन एवं दायित्व ग्रहण समारोह

भारत विकास परिषद् ब्रज प्रांत का प्रांतीय अधिवेशन एवं दायित्व ग्रहण समारोह 'संकल्प–2023' दिनांक 13 अप्रैल 2023 दिन गुरुवार को 'बांके बिहारी रिसोर्ट' इंडस्ट्रीयल एस्टेट, फिरोजाबाद में संस्कृति शाखा

फिरोजाबाद के आतिथ्य में अत्यंत ही भव्यता एवं सुव्यवस्थित रूप से आयोजित किया गया।

कार्यक्रम का शुभारंभ क्षेत्रीय संरक्षक उत्तर मध्य क्षेत्र–1 श्री पूरन डाबर जी, क्षेत्रीय अध्यक्ष उत्तर मध्य क्षेत्र–1 डॉ. तरूण शर्मा जी, राष्ट्रीय चौयरमेन 'पब्लिसिटी' डॉ. केशव दत्त गुप्ता जी एवं क्षेत्रीय महासचिव उत्तर मध्य क्षेत्र–1 श्री अनुराग दुबलिश जी ने भारत माता एवं स्वामी विवेकानंद जी के तैलीय चित्र पर माल्यार्पण एवं पुष्प अर्चन कर किया गया।

तदोपरांत संस्कृति शाखा की महिलाओं द्वारा वन्देमातरम् का गायन किया गया।

आतिथ्य शाखा के सदस्यों द्वारा मंचासीन विभुतियों का पीत दुपट्टा से स्वागत अभिनन्दन किया।

आतिथ्य शाखा संस्कृति शाखा के अध्यक्ष श्री सुधीर गुप्ता ने समस्त राष्ट्रीय, क्षेत्रीय, प्रांतीय एवं शाखा दायित्वधारियों के मध्य अपना स्वागत भाषण दिया।

कार्यक्रम में निवर्तमान प्रांतीय अध्यक्ष श्री प्रमोद सिंघल जी ने सभागार में उपस्थित समस्त परिषद् प्रतिनिधियों के मध्य अपना स्वागत उद्बोधन व्यक्त किया एवं विगत सत्र में कार्यक्रमों के सफल आयोजन हेतु समस्त शाखाओं के दायित्वधारियों का आभार व्यक्त किया।

निवर्तमान प्रांतीय वित्त सचिव श्री सोमदेव सारस्वत जी द्वारा सत्र 2022–23 का आय व्यय का ब्यौरा सदन के समक्ष प्रस्तुत किया।

निवर्तमान प्रांतीय महासचिव श्री राहुल गर्ग ने सत्र 2022–23 के ब्रज प्रान्त में आयोजित कार्यक्रमों को अपनी सचिवीय आख्या से समस्त सदन को अवगत कराया।

तदोपरांत मवाना से पधारे अधिष्ठापन अधिकारी क्षेत्रीय महासचिव उत्तर मध्य क्षेत्र–1 श्री अनुराग दुबलिश जी ने सत्र 2023–24 के नवमनोनीत प्रांतीय अध्यक्ष श्री राहुल गर्ग, प्रांतीय महासचिव श्री सोमदेव सारस्वत एवं प्रांतीय वित्त सचिव श्री धर्म गोपाल मित्तल को अपने अपने दायित्व का बोध कराया।

कार्यक्रम में नवमनोनीत प्रांतीय अध्यक्ष श्री राहुल गर्ग ने ब्रज प्रांत की आगामी योजनाओं को सभागार में उपस्थित समस्त प्रतिनिधियों के समक्ष रखी।

कार्यक्रम में उत्तर मध्य क्षेत्र–1 के क्षेत्रीय वित्त सचिव सी ए प्रवीन गर्ग जी के द्वारा प्रांतीय उपाध्यक्ष श्री हरीश सुनेजा एवं श्री मुकेश मित्तल, प्रांतीय महिला संयोजिका श्रीमती गुंजन अग्रवाल, प्रांतीय संगठन सचिव श्री रवि शिवहरे एवं प्रांतीय संयोजक 'सम्पर्क' श्री पुष्पेन्द्र कुमार गोयल को दायित्व बोध कराया।

राष्ट्रीय प्रकल्प समिति सदस्य एडवोकेट बसंत गुप्ता जी के द्वारा प्रांतीय कार्यकारिणी, सम्पादक मण्डल एवं महिला एवं बाल कल्याण प्रकल्प के दायित्वधारियों को दायित्व बोध कराया।

उत्तर मध्य क्षेत्र–1 के क्षेत्रीय सचिव 'सेवा' श्री प्रमोद सिंघल जी द्वारा सेवा प्रकल्प के प्रांतीय दायित्वधारियों को दायित्व बोध कराया गया।

राष्ट्रीय प्रकल्प समिति सदस्य एडवोकेट विनय सिंह जी द्वारा संस्कार प्रकल्प के प्रांतीय दायित्वधारियों को दायित्व बोध कराया गया।

ब्रज प्रांत के प्रांतीय संरक्षक श्री विनय सिंघल जी एवं डश्र. कैलाश चन्द्र सारस्वत जी द्वारा सम्पर्क प्रकल्प के दायित्वधारियों एवं जिला समन्वय समितियों के दायित्वधारियों का दायित्व बोध कराया गया।

इस अवसर पर क्षेत्रीय संरक्षक श्री पूरन डाबर जी, क्षेत्रीय अध्यक्ष डॉ. तरूण शर्मा जी एवं राष्ट्रीय चेयरमैन 'पब्लिसिटी' डॉ. केशव दत्त गुप्ता जी के द्वारा अपनी ओजस्वी वाणी में उद्बोधन देकर समस्त प्रांतीय एवं शाखा दायित्वधारियों का मार्गदर्शन किया गया।

कार्यक्रम का कुशल संचालन ब्रज प्रांत की ओर से प्रांतीय महासचिव श्री सोमदेव सारस्वत एवं आतिथ्य शाखा की ओर से संस्कृति शाखा संस्थापक अध्यक्ष श्री अमित गुप्ता द्वारा किया गया।

कार्यक्रम का आभार ज्ञापन प्रांत की ओर से प्रांतीय वित्त सचिव श्री धर्म गोपाल मित्तल द्वारा एवं शाखा की ओर से शाखा सचिव श्री गौरव बंसल जी द्वारा दिया गया।

कार्यक्रम में आगरा, फिरोजाबाद, मैनपुरी एवं मथुरा जिलों से लगभग 321 सदस्यों की ऐतिहासिक उपस्थिति रही।

कार्यक्रम की भव्य एवं पूर्णव्यवस्थित कार्यक्रम के लिए आतिथ्य शाखा के अध्यक्ष श्री सुधीर गुप्ता, सचिव श्री गौरव बंसल, कोषाध्यक्ष श्री अमोल बंसल, महिला संयोजिका श्रीमती नूतन जैन, कार्यक्रम संयोजक श्री सौरभ वर्मा, श्री अजीत जैन, श्री अमित जैन, श्री पुनीत बंसल, श्री मनोज अग्रवाल, श्री ध्रुव कांत सिंह, श्री पीयूष अग्रवाल, श्री राकेश सिंघल, श्री अरिहंत जैन, श्री मोहित गर्ग आदि सदस्यों की आगुंतकों ने भूरि भूरि प्रशंसा की।

ब्रज प्रान्त की विभिन्न शाखाओं के दायित्व ग्रहण समारोह (सत्र–2023–24)

भारत विकास परिषद् 'सिरसागंज शाखा', फिरोजाबाद

भारत विकास परिषद् 'सम्पर्क शाखा', आगरा

भारत विकास परिषद् 'संस्कार शाखा', आगरा

भारत विकास परिषद् 'नवोदय शाखा', आगरा

भारत विकास परिषद् 'विवेकानन्द शाखा', आगरा

भारत विकास परिषद् 'शिकोहाबाद शाखा', फिरोजाबाद

ब्रज प्रान्त की विभिन्न शाखाओं के दायित्व ग्रहण समारोह (सत्र–2023–24)

भारत विकास परिषद् 'निकुंज शाखा', आगरा

भारत विकास परिषद् 'लक्ष्य शाखा', आगरा

भारत विकास परिषद् 'सहयोग शाखा', आगरा

भारत विकास परिषद् 'संकल्प शाखा', आगरा

भारत विकास परिषद् 'मुख्य शाखा', फिरोजाबाद

भारत विकास परिषद् 'प्रधान शाखा', फिरोजाबाद

ब्रज प्रान्त की विभिन्न शाखाओं के दायित्व ग्रहण समारोह (सत्र–2023–24)

भारत विकास परिषद् 'अरुणोदय शाखा', फिरोजाबाद

भारत विकास परिषद् 'उड़ान शाखा', आगरा

भारत विकास परिषद् 'समर्पण शाखा', फिरोजाबाद

भारत विकास परिषद् 'संयम शाखा', आगरा

भारत विकास परिषद् 'सृजन शाखा', आगरा

भारत विकास परिषद् 'समर्पण शाखा', आगरा

ब्रज प्रान्त की विभिन्न शाखाओं के दायित्व ग्रहण समारोह (सत्र–2023–24)

भारत विकास परिषद् 'संस्कृति शाखा', फिरोजाबाद

विविध गतिविधियाँ

भारत विकास परिषद्''एकलव्य'' शाखा, आगरा द्वारा श्री खाटू श्याम जी की भजन संध्या का आयोजन किया गया।

भारत विकास परिषद् 'अन्नपूर्णा शाखा', आगरा द्वारा सनातनी परंपरा का निर्वहन करते हुए गौ सेवा की गई।

भारत विकास परिषद् 'विक्रमादित्य शाखा' आगरा के द्वारा भोजन वितरण का कार्यक्रम संपन्न हुआ

भारत विकास परिषद् 'सरल शाखा' फिरोजाबाद द्वारा बाल संस्कार शिविर का आयोजन किया गया।

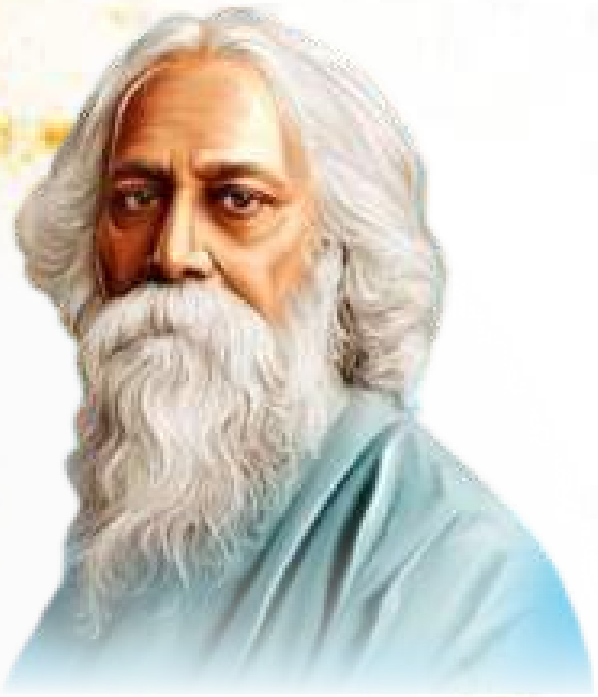

राष्ट्र गान

जन गण मन अधिनायक जय हे
भारत भाग्य विधाता।

पंजाब सिन्ध गुजरात मराठा
द्रविड़ उत्कल बंग।

विंध्य हिमाचल यमुना गंगा
उच्छल जलधि तरंग।

तव शुभ नामे जागे
तव शुभ आशीष मागे।

गाहे तव जयगाथा।
जन गण मंगलदायक जय हे

भारत भाग्य विधाता।
जय हे, जय हे, जय हे
जय जय जय जय हे

– रवीन्द्रनाथ टैगोर

भारत विकास परिषद् 'अन्नपूर्णा' आगरा का स्थाई सेवा कार्य

''मां की रसोई''

भारत विकास परिषद 'अन्नपूर्णा शाखा' आगरा का स्थाई सेवा कार्य ''मां की रसोई'' में प्रतिदिन 400 व्यक्तियों को ₹5 में थाली (चार रोटी, दाल या कड़ी, चावल, सब्जी, अचार) गरीब, असहाय, विकलांग एवं वृद्ध जनों को बैठाकर 'नर सेवा नारायण सेवा'' भाव के साथ खिलाया जाता है। एवं 100 वृद्धजनों को उनके निवास स्थान पर टिफिन के माध्यम से सुबह एवं शाम का भोजन उपलब्ध कराया जाता है।

नेम कुमार जैन संरक्षक

धर्म गोपाल मित्तल संरक्षक

विनय गोयल अध्यक्ष

अभिषेक सिंघल सचिव

विकास जैन कोषाध्यक्ष

सोनम वर्मा महिला संयोजिका

अनूप वार्ष्णेय प्रांतीय प्रकल्प प्रभारी

विष्णु गोयल शाखा प्रकल्प प्रभारी

गुंजन अग्रवाल प्रांतीय संपादक

शालू अग्रवाल प्रांतीय प्रकल्प प्रभारी

धीरज वर्मा प्रांतीय प्रकल्प प्रभारी

गौरव गर्ग मां की रसोई व्यस्थापक